भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 825

जिसका उत्तर 21 जुलाई, 2022 को दिया जाना है।

.....

राष्ट्रीय उद्यानों के निकट बांध

825. श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में राष्ट्रीय उद्यानों और वन्य जीव अभ्यारण्यों के निकट निर्मित बांधों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन बांधों के निर्माण से जलमग्न होने वाले वन क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है;

(ग) इन परियोजनाओं को शुरू करने के लिए मंत्रालय ने किन आधारों पर पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त की है; और

(घ) क्या सरकार का प्राथमिकता के आधार पर मेकेदातु बांध परियोजना शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो इसके लिए पर्यावरणीय मंजूरी कब तक मिलने की संभावना है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टूडू)

(क) से (ग): उपलब्ध जानकारी के अनुसार, देश में राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभ्यारण्यों के समीप कुल 10 परियोजनाएं हैं, जिन्हें पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पिछले तीन वर्षों में पर्यावरण मंजूरी (ईसी) प्रदान की गई है। इस संबंध में विवरण, सम्मिलित वन भूमि के विवरण सहित, **अनुलग्नक** में दिए गए हैं।

समय-समय पर संशोधित ईआईए अधिसूचना, 2006 के प्रावधानों के अनुसार परियोजनाओं/गतिविधियों को पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान करने पर विचार किया जाता है। अन्य बातों के साथ-साथ, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) रिपोर्ट, पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी), आपदा प्रबंधन योजना (डीएमपी) और सार्वजनिक परामर्श की तैयारी और प्रस्तुत करने के लिए परियोजना प्रस्तावक द्वारा विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) के विचार के लिए अधिसूचना जारी होती है। ईएसी, परियोजना के विभिन्न पर्यावरणीय और सामाजिक पहलुओं अर्थात पर्यावरण संवेदनशीलता, स्थान, स्थानीय पर्यावरण और जनसंख्या पर प्रभाव आदि की विस्तृत जांच और विचार-विमर्श के बाद, उपयुक्त निवारक उपायों का सुझाव देते हुए पर्यावरण मंजूरी प्रदान करने के संबंध में विचार करती है।

(घ): परियोजना का कार्यान्वयन कर्नाटक सरकार द्वारा अपनी प्राथमिकताओं और निधि की उपलब्धता आदि के अनुसार किया जाना है। हालांकि, इसके कार्यान्वयन से पहले, परियोजना को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) से अनापत्ति प्राप्त करना आवश्यक है, और जल शक्ति मंत्रालय के तहत सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और बहुउद्देशीय परियोजनाओं (सलाहकार समिति) पर सलाहकार समिति द्वारा तकनीकी-आर्थिक स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। परियोजना को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के तहत ईएसी का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना भी आवश्यक है। उपरोक्त अनुमोदन प्राप्त नहीं हुए हैं।

*****

अनुलग्नक

"राष्ट्रीय उद्यानों के निकट बांध" के संबंध में दिनांक 21.07.2022 को लोक सभा में उत्तर दिये जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 825 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के पास परियोजनाओं की सूची, जिन्हें पिछले तीन वर्षों में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण मंजूरी प्रदान की गई है

क्र.सं.	परियोजना का नाम	राज्य का नाम	ईसी की तिथि	टिप्पणी
1.	मैसर्स जल संसाधन विभाग, कोंकण सिंचाई विकास निगम, महाराष्ट्र द्वारा नरदवी मध्यम सिंचाई परियोजना	महाराष्ट्र	24-03-2020	वन भूमिः 34.14 हे. वन्यजीव: राधानगरी वन्यजीव अभयारण्य 0.75-2 किमी.
2.	मैसर्स जल संसाधन विभाग, मध्य प्रदेश द्वारा मझगांव मध्यम परियोजना	मध्य प्रदेश	08-04-2019	वन भूमिः 426.76 हे. पन्ना राष्ट्रीय पार्क 10.5 किमी. पन्ना गंगाऊ सेंचुरी 8.25 किमी. केन घड़ियाल सेंचुरी 5.25 किमी.
3.	मैसर्स जल संसाधन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सतधारू मध्यम सिंचाई परियोजना	मध्य प्रदेश	11-11-2020	वन भूमिः1226.34 हे. वन्यजीव: नोरादेही सेंचुरी 4.50 किमी.
4.	मैसर्स जल संसाधन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पार्वती (रिन्सी) मुख्य परियोजना	मध्य प्रदेश	11-12-2019	वन भूमि: कोई वन क्षेत्र नहीं वन्यजीव: नरसिंहगढ़ वन्यजीव अभयारण्य 0.1 किमी.
5.	मैसर्स मीनाक्षी ओडिशा पावर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शहीद लखन नायक	ओडिशा	13-08-2021	वन भूमि: 4.90 हे. वन्यजीव: कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान (छत्तीसगढ़ राज्य) से 1.09 कि.मी.
6.	मैसर्स मध्य भारत पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा रोंगनिचु एचईपी	सिक्किम	02-02-2021	वन भूमि: 48.48 हे. वन्यजीव: फैंबोंगल्हो वन्यजीव अभयारण्य 3.79 किमी.
7	मैसर्स सिंचाई और सीएडी विभाग, तेलंगाना सरकार द्वारा पीवी नरसिम्हा राव कांतनपल्ली सुजाला सरवंती परियोजना	तेलंगाना	13-10-2020	वन भूमि: 27.91 हे. वन्यजीव: एतुर्नगरम वन्यजीव अभयारण्य 0.5 किमी.
8.	मैसर्स यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा लखवार बहुउद्देशीय परियोजना	उत्तराखंड	02-02-2021	वन भूमि: 768.16 हे. वन्यजीव: मसूरी वन्यजीव अभयारण्य 2 किमी.
9.	मैसर्स टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा विष्णुगढ़ पीपलकोटी हाइड्रो-इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट	उत्तराखंड	26-08-2021	वन भूमि: 100.39 हे. वन्यजीव: केदारनाथ वन्यजीव अभयारण्य 5.20 किमी.
10.	मैसर्स एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा रामम हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट, स्टेज-III (3X40 मेगावाट)	पश्चिम बंगाल	26-08-2021	वन भूमि: 74.08 हे. सिंगलिला नेशनल पार्क 9.0 किमी, रोडोडेंड्रोन वाइल्ड लाइफ सेंचुरी 4.2 किमी.

******